



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 342]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 13, 1982/कार्तिक 22, 1904

No. 342] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 13, 1982/KARTIKA 22, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाले जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के क्षमता में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

सं 265/82- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, 13 नवम्बर, 1982

सं. का. नि. 690 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली धन्तमूली की मद सं. 15 की उपमद (1) के मान्तर्गत बातों वाला और सेलोफेन या विस्कोन फिलामेंट सूत के विनिर्माण के लिए उत्पादन के कारबाहों में प्रयोग किया जाने वाला सेलुलोज जैंबेट को उक्त अधिनियम की धारा 3 के प्रशीत उत्तर पर उत्पाद-शुल्क से छूट देती है।

परन्तु यहाँ ऐसा प्रयोग उत्पादन के कारबाहों से भिन्न स्थान में किया जाता है यहाँ केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 56 के उपर्युक्त प्रक्रिया का अनुमरण किया जाए।

[फा. सं. बी 7/17/82 दी. आर० यू०]

आर० क० चक्रवर्ती, उप गविन

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

No. 265/82-Central Excises

New Delhi, the 13th November, 1982.

G.S.R.690(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts cellulose xanthate, falling under sub-item(1) of the Item No. 15A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and used in the Factory of production for manufacture of cellophane or viscose filament yarn, from the whole of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the said Act :

Provided that where such use is elsewhere than in the factory of production, the procedure set out in rule 56-A of the Central Excise Rules, 1944, is followed.

[P. No. B. 7/17/82-TRU]
R.K. CHAKRABARTI, Dy. Secy.

सं 266/82- केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सं. का. नि. 691 (म).—केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का

प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 191/82 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नं० गोद ३ जून, 1982 को अधिकाल करते हुए केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) को पहली अनुसूची की मद्द सं० 14 कक्ष की उपमढ (2) के अन्तर्गत आने वाले कैप्रोलैक्टम को उक्त पहली अनुसूची में वित्तविष्ट दर पर उक्त अधिनियम के अधीन उन पर उद्योगीय उन्नते उत्पाद शुल्क से छूट देती है जिनमा मूल्य के पन्द्रह प्रतिशत की दर से संगणित रकम से अधिक है।

२ यह अधिसूचना 31 मई, 1983 तक वित्त वारीक भी सम्मिलित है, प्रवृत्त रहेगी।

[का० सं० 349/1/14कक्ष/82टी० आर०य०]
जितेन्द्र बत्रा, अधर सचिव

No. 266/82-Central Excises

G.S.R. 691(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 191/82-Central Excises, dated the 5th June, 1982, the Central Government hereby exempts caprolactam, falling under sub-item (2) of Item No. 14AA of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Act at the rate specified in the said First Schedule, as is in excess of the amount calculated at the rate of fifteen per cent. ad valorem.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of May, 1983.

[F. No. 349/1/14AA/82-TRU]
J. K. Batra, Under Secy.

सं० 267/82—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 692 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम ४ के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शर्कियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 107/81 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, नारीक २४ अप्रैल, 1981 को विष्फळन करती है।

[का० सं० 331/1/82-टी० आर०य०]

No. 267/82-Central Excises

G.S.R. 692(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 107/81-Central Excises, dated the 24th April, 1981.

[F. No. 331/1/82-TRU]

सं० 268/82—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 693, (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम ४ के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शर्कियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) को पहली अनुसूची की मद्द सं० 16 के अन्तर्गत आने वाले टायरों (जिनके अन्तर्गत दशव और क्लैप नहीं है) को, उक्त अधिनियम की धारा ३ के अधीन उन पर उद्योगीय उन्नते उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जिनमा उन नियमों के नियम ४ के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और नमक विभाग के साथ

पर्दित उक्त पहली अनुसूची के अधीन ऐसे दरों पर उद्योगीय शुल्क की दर के पचहतर प्रतिशत पर दर से समाप्त रकम से अधिक है।

परन्तु ऐसे टायरों को ऐसे कारब्बाने से वित्तमाणित किया जाता है जो उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 11 के अधीन अनुबात जय और रोगिक उपकरण है और जियां टायरों की निकासी १ अप्रैल, 1976 को प्रारम्भ होने वाली थी, ३१ मार्च, 1984 को समाप्त होने वाली अवधि के द्वारा उक्ती बार की जाती है।

परन्तु यह भी कि इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट छूट टायरों की ऐसी निकासी गो लागू नहीं होती जो किसी कारब्बाने से टायरों की पहली निकासी की तारीख से मात्र बर्बाद का अवधि की समाप्ति के पश्चात भी जाती है।

परन्तु यह भी कि इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट छूट टायरों की ऐसी निकासी को लागू नहीं होती जो ऐसे टायरों की निकासियों से अधिक है त्रिपक्ष, इस अधिसूचना के अधीन छूट की रकम और भारत सरकार के राजस्व और वैकिंग विभाग की अधिसूचना सं० 198/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, नारीक १६ जून, 1976 या वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 142/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, नारीक १४ जूनाहि १९७८ या वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 107/81 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, नारीक २४ अप्रैल, 1981 में से सभी या किसी अधिसूचनाओं के अधीन टायरों की निकासी की बाबत प्राप्त की गई छूट की रकम का योग, यदि कोई हो, तकनीकी विकास महानियोगलय के विकास अधिकारी द्वारा, वित्तमाणित टायरों की पहली निकासी गो तारीख से पूर्व टायरों के वित्तमाणित के लिए उक्त कारब्बाने में संयंत्र और भागीदारों पर किए गए पूँजी विनिधान के मूल्य की कुल राशि के पश्चात प्रतिशत के बराबर है।

स्पष्टीकरण 1—पहली निकासी की तारीख में सात बर्बाद की अवधि की समाप्ति करने के प्रयोजनों के लिए, १ अप्रैल, 1980 को प्रारम्भ होने वाली और २३ अप्रैल, 1981 को समाप्त होने वाली अवधि की हिसाब में नहीं लिया जाएगा।

स्पष्टीकरण 2—किसी वित्तीय वर्ष के द्वारा धरेलू उपभोग के लिए, टायरों गो पहली निकासी की संगणका करने प्रयोजनों के लिए, ऐसे टायरों को निकासियों को जिन्हें केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम ४ अते उन्नियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्समय पूँजी किसी अधिसूचना द्वारा उक्त अधिनियम के अधीन उन पर उद्योगीय उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त है, हिसाब में नहीं लिया जाएगा।

स्पष्टीकरण 3—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, “छूट की रकम” इस अधिसूचना के अन्यथा, वित्तमाणित पूर्वीक अधिसूचना सं० 198/76 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क गो अधिसूचना सं० 142/78 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क या अधिसूचना सं० 107/81 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के न होने की दणा में संदेय शुल्क की रकम (जिसके अन्तर्गत उन पर संदेय विभेद उत्पाद-शुल्क, यदि कोई हो है) और इस अधिसूचना के अवधारा, वित्तमाणित पूर्वीक अधिसूचना सं० 198/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क या अधिसूचना सं० 142/78 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के अधीन विहित विधायी दर पर टायरों पर सदून शुल्क की रकम (जिसके अन्तर्गत उन पर संदेय विभेद उत्पाद-शुल्क, यदि कोई है) के बास का अन्तर होगी।

स्पष्टीकरण 4— स्पष्टीकरण 3 में “संदेश शुल्क की रकम” वह रकम होगी जो इस अधिसूचना के अध्याय पद्धति पुर्वक अधिसूचना सं 198/76 के द्वाय उत्पाद-शुल्क या अधिसूचना सं 142/78-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या अधिसूचना सं 107/81 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के प्रयोजनों के लिए उत्तिन अधिकारी द्वारा प्रत्योदित दायरों के निर्धारणीय मूल्य की, इस अधिसूचना के बाय वा, यथाविधि पुर्वीक अधिसूचना सं 148/76 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या अधिसूचना सं 142/78 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क या अधिसूचना सं 107/81-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के न होने की वजाएं दायरों पर उत्प्रहणीय उत्पाद शुल्क की दर का लागू करके संगणित को जाए।

स्पष्टीकरण 5— स्पष्टीकरण 4 में निर्धारणीय मूल्य पद से वह मूल्य अमिश्रित है जो उक्त अधिनियम की धारा 1 के उपचर्वों के प्रत्युम्भ व्यवधारित किया गया।

स्पष्टीकरण 6— दायरों के विनियोग के लिए भवक और मर्मानरो पर किए गए पूँजी विनियोग के मूल्य की कूल राशि को सम्पूर्ण करने के प्रयोजनों के लिए, उग समय तक ऐसा विनियोग किया गया था। पूँजी विनियोग का अकिस मूल्य ही क्रियाव भैं निया जाएगा, किन्तु ऐसे संयंक और मर्मानरो पर जो दायरों की पहली निकासी की तारीख के पूर्व उक्त कारबाही के स्थायी तौर पर हटा दी गई है या प्रयोग के लिए अव्योग ठहरा दी गई है, किंवा गांव विनियोग का मूल्य अपवर्जित कर दिया जाएगा।

[का० सं 331 / 1/82 टी.भा० य०]

बी० लक्ष्मी कुमारन, अवर सचिव

No. 263/82 Central Excises

GSR. 693(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts tyres (excluding tubes and flaps) falling under item No. 16 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from a part of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the said Act as is in excess of the amount calculated at the rate of seventy-five percent of the rate of duty leviable on such tyres under the said First Schedule, read with any notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the said rules and in force for the time being:

Provided that such tyres are manufactured in a factory which is a new industrial undertaking licensed under section 11 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) and from which the clearances of tyres are effected for the first time during the period commencing on the 1st day of April, 1976, and ending with the 31st day of March, 1984:

Provided further that the exemption contained in this notification shall not apply to clearances of tyres effected after the expiry of a period of seven years from the date of the first clearance of tyres from any factory:

Provided also that the exemption contained in this notification shall apply to first clearances of tyres for home consumption during any financial year only up to a total quantity not exceeding seventy-five per cent. of the initial annual licensed capacity of tyres as certified by the Development Officer of the Directorate-General of Technical Development:

Provided also that the exemption contained in this notification shall not apply to such of the clearances of tyres as are in excess of the clearances of tyres in respect of which the aggregate of the amount of exemption under this notification and the amount of exemption, if any availed in respect of clearances of tyres, under all or any of the notifications of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 198/76 Central Excises, dated the 6th June, 1976 or in the Ministry of Finance

(Department of Revenue) No. 142/78-Central Excises, dated the 14th July 1978, or in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 107/81-Central Excises, dated the 24th April, 1981, equals fifty per cent. of the sum-total of the value of the capital investment made on plant and machinery in the said factory for the manufacture of tyres prior to the date of the first clearance of tyres as certified by the Development Officer of the Directorate-General of Technical Development.

Explanation I.—For the purposes of computing the period of seven years from the date of the first clearance, the period commencing on the 1st day of April 1980, and ending with the 23rd day of April, 1981, shall not be taken into account.

Explanation II.—For the purposes of computing the first clearances of tyres for home consumption during any financial year, the clearances of tyres which are exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon under the said Act by any notification issued under sub rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and for the time being in force, shall not be taken into account.

Explanation III.—For the purposes of this notification, the “amount of exemption” shall be the difference between the amount of duty payable (including special duty of excise, if any payable thereon) but for this notification or the aforesaid notification No. 198/76-Central Excises, or No. 142/78-Central Excises, or No. 107/81-Central Excises, as the case may be, and the amount of duty paid on tyres (including special duty of excise, if any paid thereon) at the concessional rate prescribed under this notification or the aforesaid notification No. 198/76-Central Excises, or No. 142/78-Central Excises, or No. 107/81-Central Excises, as the case may be, respectively.

Explanation IV.— The “amount of duty payable” in Explanation III shall be the amount calculated by applying the rate of excise duty leviable on tyres, but for this notification or the aforesaid notification No. 198/76-Central Excises, or No. 142/78-Central Excises, or No. 107/81-Central Excises, as the case may be, to the assessable value of tyres as approved by the proper officer for the purposes of this notification or the aforesaid notification No. 198/76-Central Excises, or No. 142/78-Central Excises, or No. 107/81-Central Excises as the case may be, respectively.

Explanation V.—The expression “assessable value” in Explanation IV means the value as determined in accordance with the provisions of section 4 of the said Act.

Explanation VI.—For the purposes of computing the sum-total of the value of the capital investment made on plant and machinery for the manufacture of tyres, the face value of the capital investment at the time when such investment was made only shall be taken into account but the value of the investment made on plant and machinery which have been removed permanently from the said factory or rendered unfit for use prior to the date of the first clearance of tyres, shall be excluded.

[F. No. 331/1/82-TR U]
V. Lakshmi Kumaran, Under Secy.

सं 263/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 694 (अ).—केन्द्रीय मरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) शा० 1 प्रदत्त अक्तिवैयी का प्रयोग करने वाले और इन मरकार के विलए मंत्रालय (राजस्वम

विवाग) की प्रधिकृति सं 84/92 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 28 फरवरी, 1982 को प्रधिकृत करते हुए, हमें उत्पाद सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट वर्णन के एलुमिनियम को, जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक प्रधिनियम, 1944 (1914 का 1) की पहली प्रनुसूची की मध्य सं 27 की उपमध्य, जो उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में की तस्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है, के अन्तर्गत आता है, और जिसका विविरण तत्त्व एलुमिनियम धातु से किसी प्रारम्भिक उत्पादक द्वारा किया जाता है तथा जिसकी एलुमिनियम (नियंत्रण) आदेश, 1970 के अधीन आरो की गई प्रधिकृतान्वयनों के साथ पहिले तत्त्वमय प्रवृत्त उक्त आवेदन में प्रन्तविष्ट उपबन्धों के अनुमार केन्द्रीय सरकार द्वारा विकल्प और प्रदाय के लिए अपेक्षा की जाती है, उक्त पहली प्रनुसूची में विनिर्दिष्ट दर पर उक्त प्रधिनियम के अधीन उस पर उद्यग्दीय उत्तरे उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जिसना उक्त सारणी के स्तम्भ (4) में की तस्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट दर से संगणित रकम से प्रधिक है।

सारणी

क्रम सं	उप मध्य	वर्णन	दर
1	2	3	4
1. (क) (i)	सिलिंग जो भारतीय तीन हजार पचासी रुपए मानक संस्था के विनियोग भारतीय मार्ग : 4026-1969 के प्रति मनुष्य हो।	तीन हजार पचासी रुपए प्रति मीटरी टन।	
2. (क) (i)	बिलेट जो भारतीय मानक तीन हजार एक मी पन्द्रीम संस्था के विनियोग भारतीय मार्ग : 4026-1969 के	एक मी पन्द्रीम संस्था के विनियोग भारतीय मार्ग : 4026-1969 के प्रति मनुष्य हो।	
3. (क) (ii)	तार छड़े जो भारतीय तीन हजार दो सौ प्रस्तो रुपए मानक संस्था के विनियोग प्रति मीटरी टन। भारतीय मार्ग : 4026-1969 के प्रति मनुष्य हो।	तीन हजार दो सौ प्रस्तो रुपए प्रति मीटरी टन।	
4. (क) (ii)	तार के सरिए जो भारतीय तीन हजार दो सौ तीस मानक संस्था के विनियोग भारतीय मार्ग : 5484-1969 के प्रति मनुष्य हो।	तीन हजार दो सौ तीस मानक संस्था के विनियोग भारतीय मार्ग : 5484-1969 के प्रति मीटरी टन।	

स्पष्टीकरण—इस प्रधिकृतान्वयन के प्रयोजनों के लिए, "प्रारम्भिक उत्पादक" प्रधिश्वरित से उद्योग (विकास और विनियमन) प्रधिनियम 1951 (1951 का 85) के अधीन घनुगात या रजिस्ट्रीकॉर्ट एवं अक्षित अधिनियम है जो वाक्साइट या एलुमिना से एल्युमिनियम का उत्पादन करता है।

[फा० सं 349/1/27/82 दो० आर० य०]

No. 269/82-Central Excises

G.S.R. 694 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 84/82-Central Excises, dated the 28th February, 1982, the Central Government hereby exempts aluminium of the description specified in column (3) of the Table hereto annexed, falling under the sub-items specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table, of Item No. 27 of the First Schedule to the Central Excise and Salt Act, 1914 (1) of 1944, and manufactured by any primary producer from hot aluminium metal, and required by the Central Government to be sold for

supplied in terms of the provision contained in the Aluminium (Control) Order, 1970 as in force for the time being read with the notifications issued thereunder, from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Act at the rate specified in the said First Schedule, as is in excess of the amount calculated at the rate specified in the corresponding entry in column (4) of the said Table.

TABLE

S. No.	Sub- item	Description	Rate
(1)	(2)	(3)	(4)
1. (a)(i)	Ingots conforming to the specifications in IS:4026—1969 of the Indian Standards Institution	Rupees three thousand and eighty-five per metric tonne.	
2. (a)(i)	Billets conforming to the specifications in IS: 4026—1969 of the Indian Standards Institution	Rupees three thousand one hundred and twentyfive per metric tonne.	
3. (a)(ii)	Wirebars conforming to the specifications in IS: 4026-1969 of the Indian Standards Institution	Rupees three thousand two hundred and eighty per metric tonne.	
4. (a)(ii)	Wirerods conforming to the specification in IS: 5484-1969 of the Indian Standards Institution	Rupees three thousand three hundred and thirty per metric tonne	

Explanation.—For the purposes of this notification, the expression 'primary producer' means any person licensed or registered under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) who produces aluminium from bauxite or alumina.

[F. No. 349/1/27/82-TRU]

सं 270/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 695 (अ)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उत्पादन (1) द्वारा प्रदत्त परिस्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित मत्तान्वय, (राजस्व विभाग) की प्रधिकृतान्वयन सं 192/81 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 3 विसम्बर, 1981 को प्रधिकृत करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली प्रनुसूची की मध्य सं 27 के अन्तर्गत प्राप्त वाले एलुमिनियम को, उक्त प्रधिनियम के अधीन उस पर उक्त पहली प्रनुसूची से विनिर्दिष्ट दर से उद्यग्दीय उत्पाद शुल्क की उत्तरी रकम से छूट देती है जिसनी मूल्य के बालीम प्रतिशत की दर से संगणित रकम से अधिक है:

परन्तु इस प्रधिकृतान्वय की कोई वा० ऐसे एलुमिनियम को लागू नहीं होगी जिसे भारत सरकार के वित मत्तान्वय (राजस्व विभाग) की प्रधिकृतान्वयन सं 269/82 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 13 नवम्बर, 1982 लागू होती है।

[फा० सं 349/1/27/82 दो० आर० य०]

No. 270/82-Central Excises

G.S.R. 695 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in

the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 192/81 Central Excises, dated the 3rd December, 1981, the Central Government hereby exempts aluminium, falling under Item No. 27 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Act at the rate specified in the said First Schedule, as is in excess of the amount calculated at the rate of forty per cent. *ad valorem*.

Provided that nothing contained in this notification shall apply to aluminium to which the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 269/82 Central Excises, dated the 13th November, 1982 applies.

[F. N. No. 349/1/27/82-TRU]

सं 271/84-कोर्टीय उत्पाद-शुल्क

सं 696 (अ) केंद्रीय सरकार, केंद्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शिल्पिया का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रधिसूचना सं 193/81 केंद्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 3 दिसम्बर, 1981 को अधिकाल करते हुए, इसमें उपावन्द भारणी के स्तरम् (3) में विनिर्दिष्ट वर्णन के भोग केंद्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) को पहली अनुसूची की मद में 27 की, उक्त सारणी के स्तरम् (2) में की नस्तम्भन्धी प्रविधियों में विनिर्दिष्ट, उपयोग के अन्तर्भूत ग्राने वाले एन्युमिनियम को उक्त अधिनियम के अधीन उस पर उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट दर में उद्घाटीय उत्पाद शुल्क की उत्तीर्ण रकम से छूट देती है जिनमें उक्त सारणी के स्तरम् (4) में की नस्तम्भन्धी प्रविधियों में विनिर्दिष्ट दर में भागान रहमें अधिक है।

सारणी

क्रम सं	उपयोग	वर्णन	दर
(1)	(2)	(3)	(4)
1. (क) (i)	किसी अपरिष्कृत रूप में मूल्य का बोग प्रतिशत एन्युमिनियम जिसके अन्तर्गत सिल्विया छटे ग्लास मिले, बिलेट और गोलियाँ हैं।		
2. (क) (ii)	तार की छटे मूल्य का इक्कीस प्रतिशत		
3. (क) (ii)	प्राथमिक उत्पादकों द्वारा मूल्य का इक्कीस प्रतिशत उत्पादित तार के सरिए		
4. (क) (ii)	अन्य व्यक्तियों द्वारा दो सो पाँचोंस स्पेए प्रति सीटी टन उत्पादित तार के सरिए		
5. (क) (ii)	ऐसी इलो वस्तुएं जो मूल्य का छाँवीस प्रतिशत अन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं हैं		
6. (क)	अपरिष्ट और स्केप निम्नलिखित विनियमिया मूल्य का छाँवीस प्रतिशत		
7. (क)	निम्नलिखित विनियमिया मूल्य का छाँवीस प्रतिशत प्रधार्त जेट, चारकरे कून (में वृत्तों से सिन्ह		

(1)	(2)	(3)	(4)
		जिनकी मोटाई 0.56 मिलीमीटर और उसमें अधिक हो किन्तु 2.00 मिलीमीटर से अधिक न हो) पदिंगर्ड, थोप और सेक्षन इकी भी रुप या साइर के जो अन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं हैं।	
8. (च)		बृत जिनकी मोटाई 0.56 मिलीमीटर और उसमें अधिक हो किन्तु 2.00 मिलीमीटर से अधिक न होती है।	मूल्य का एकहां प्रतिशत।
9. (ग)		पर्शिकाएँ	मूल्य का पचास प्रतिशत।
10. (घ)		पार्श्व और दूर जा बहिर्भवित पाइप और द्व्यूब से मिलते हैं।	मूल्य का छाँवीस प्रतिशत।
11. (ङ)		बहिर्भवित थोप और सेक्षन जिनके मनरेंज बहिर्भवित पाइप और द्व्यूब है।	मूल्य का छाँवीस प्रतिशत।
12. (च)		आधार, सादे, लेकरे मूल्य का छाँवीस प्रतिशत। पित या मुद्रित या लकड़ पित और मुद्रित	प्रतिशत।

परन्तु उक्त सारणी के क्रम सं 25, 7, 9, 10, 11 और 12 में विनिर्दिष्ट और उक्त सारणी के स्तरम् (3) में वर्णित किसी वर्णन के एन्युमिनियम से विनियमित माल के ग-न-प्र प्राप्ति 1951 अधिनियम के अधीन उद्घाटणीय उत्पाद शुल्क या गारा या न टैक्स प्रधिनियम, 1975 (1975 का 51) के अधीन उद्घाटणीय प्रग्रामक शुल्क का सदाय छार दिया गया है, ऐसे माल के सम्बन्ध में इस प्रधिसूचना में अन्तर्विष्ट छूट तभी लागू होती जब ऐसे किसी अविनाशी का, जो महायह उत्पाद-शुल्क कलक्टर की पक्की से नोचे का न हो, यह मनवान हो जाता है, कि यथाविधि, उक्त उत्पाद-शुल्क का सदाय इस प्रधिसूचना में या भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रधिसूचना सं 193/81 केंद्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 3 दिसम्बर, 1981 में या भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रधिसूचना सं 264 सारा यू-र, तारीख 3 दिसम्बर, 1981 में विनिर्दिष्ट दरों पर कर दिया गया था।

परन्तु यह भी कि इस प्रधिसूचना में अन्तर्विष्ट कोई बाल ऐसे एन्युमिनियम को लागू नहीं होती जिसे भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रधिसूचना मध्या 269/82 तारीख 13 नवम्बर, 1982 लागू होती है।

सम्पूर्ण इस प्रधिसूचना के प्रयोजनों के लिए प्राथमिक उत्पादक पद से उद्याग (विकास और विनियमन) प्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) के अधीन अनुशृण्ट या गजिस्ट्रेक्ट कोई व्यक्ति अमित्र है जो बाक्साइट या एन्युमिना से एन्युमिनियम का उत्पादन करता है।

No. 271/82 Central Excises

G.S.R. 696 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 193/81-Central Excises, dated the 3rd December, 1981, the Central Government hereby exempts aluminium of the description specified in column (3) of the Table hereto annexed and falling under the sub-items, specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table, of Item No. 27 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Act at the rate specified in the said First Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate specified in the corresponding entry in column (4) of the said Table.

Table

Sl. No.	Sub-item	Description	Rate
(1)	(2)	(3)	(4)
1. (a)(i)	Aluminium in any crude form including ingots, bars, blocks, slabs, billets, shots and pellets.	Twenty per cent <i>ad valorem</i> .	
2. (a)(ii)	Wire bars	Twenty-one per cent <i>ad valorem</i> .	
3. (a)(ii)	Wire rods produced by primary producers.	Twenty-one per cent <i>ad valorem</i> .	
4. (a)(ii)	Wire rods produced by others.	Rupees two hundred and thirty-five per metric tonne.	
5. (a)(ii)	Castings not otherwise specified.	Twenty-six per cent <i>ad valorem</i> .	
6. (aa)	Waste and scrap.	Twenty per cent <i>ad valorem</i> .	
7. (b)	Manufactures, namely, plates, sheets, circles (other than circles having thickness of and above 0.56 mm. but not above 2.00 mm.) strips, shapes and sections in any form or size, not otherwise specified.	Twenty-six per cent <i>ad valorem</i> .	
8. (b)	Circles having thickness of and above 0.56 mm. but not above 2.00 mm.	Fifteen per cent <i>ad valorem</i> .	
9. (c)	Foils	Twenty-five per cent <i>ad valorem</i> .	
10. (d)	Pipes and tubes other than extruded pipes and tubes.	Twenty-six per cent <i>ad valorem</i> .	
11. (e)	Extruded shapes and sections including extruded pipes and tubes.	Twenty-six per cent <i>ad valorem</i> .	
12. (f)	Containers, plain, lacquered or printed or lacquered and printed.	Twenty-six per cent <i>ad valorem</i> .	

Provided that in respect of goods specified in S.No. 2, 5, 7, 8, 9, 10, 11 and 12 of the said Table and manufactured from aluminium of any description mentioned in column (3) of the said Table on which the duty of excise leviable under the said Act or the additional duty leviable under the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) has been paid, the exemption contained in this notification in respect of such goods shall apply only if an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that the said duty of excise or the additional duty, as the case may be, had been paid at the rates specified in this notification or in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 193/81-Central Excises, dated the 3rd December, 1981 or in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 264-Customs, dated the 3rd December, 1981.

Provided further that nothing contained in this notification shall apply to aluminium to which the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 269/82, dated the 13th November, 1982, applies.

Explanation.—For the purpose of this notification, the expression "primary producer" means any person licensed or registered under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) who produces aluminium from bauxite or alumina.

[F. No. 249/1/82-TRU]

सं. 272/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सांका. नि. 697(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उत्तराधि (1) द्वारा प्रवत्त गतियों का प्रयोग करने हुए और उत्तराधि के वित्त मंत्रालय (याजस्व विभाग) की अधिकृतीय सं. 187/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 18 अक्टूबर, 1978 को अधिकान करने हुए (नव एलुमिनियम धातु सेक्टरी उत्पादक द्वारा विनियम एलुमिनियम मिलियो, गार के गतियों, तार छाँड़ों और बिलेटों से भिन्न) एलुमिनियम को, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मदर्म 27 के अन्तर्गत आना है और जिसका एलुमिनियम (नियंत्रण) आदेश, 1970 के प्रधीन जारी की गई अधिसूचनाओं के साथ पर तत्त्वप्रबून्त उत्तराधेश में अन्वित उपबन्धों के अनुसार केन्द्रीय सरकार द्वारा विक्रय या प्रदाय किया जाना अपेक्षित है, उस अधिनियम के अधीन उस पर उद्गताधीय उत्तराधेश से छूट देती है जितना पूर्जीक आदेश में अन्वित उपबन्धों के अनुसार सभव्यताधीय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा, उसके उत्पादक को ऐसे एलुमिनियम के लिए संवेद्य कीमत के रूप में नियम विक्रय कीमत के आधार पर संगणित, उत्तराधेश के अधीन उस पर उद्गताधीय उत्पाद-शुल्क से अधिक है।

[का. सं. 349/1/82-टॉ. आर० य०]

No. 272/82 Central Excises

G.S.R. 697(E). In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 187/78-Central Excises, dated the 18th October, 1978, the Central Government hereby exempts aluminium (other than aluminium ingots, wire rods, wire bars and billets manufactured by any producer from hot aluminium metal) falling under Item No. 27 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944)

and required by the Central Government to be sold or supplied in terms of the provisions contained in the Aluminium (Control) Order, 1970, as in force for the time being, read with the notifications issued thereunder, from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Act, as is in excess of duty of excise leviable the con under the said Act calculated on the basis of the sale price fixed by the Central Government from time to time, in terms of the provisions contained in the aforesaid Order, as the price payable for such aluminium to the producer thereof.

[F No. 349/1/82—TRU]

सं 273/82- केन्द्रीय उत्पाद- शुल्क

सं 20 का० शि 698(अ) - केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद- शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उल्लेखन (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के विन मन्त्रालय (राजस्व विभाग) की मध्यसूचना सं 61/80-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 28 मई, 1980 को घोषित करते हुए, (नव एन्युमिनियम धारा से किसी उत्पादक द्वारा वित्तिय एन्युमिनियम घोषित, तार के स्वियों, तार छड़ी और बिलेटो को, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमृत ग्राहितीम, 1944 (1944 का 1) की पहली मन्त्रालय की मद सं 27 के अन्तर्गत फ्रैंट और वित्ती एन्युमिनियम (नियवण) घोषित, 1970 के अन्तर्गत जारी की गई मध्यसूचनाओं के सभ पठित तत्समय प्रवृत्त उक्त आवेदन में अन्यत्रित उपलब्धों के मन्त्रालय केन्द्रीय सरकार द्वारा विक्रय या प्रदाय किया जाना ग्रहित है, उक्त मध्यसूचना के अन्तर्गत उत्पादक उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जिनमा ऐसे शूल के प्रयोग पर सर्वानन्द, उक्त मध्यसूचना के अन्तर्गत उत्पाद-शुल्क से मध्यिक है जो पूर्णक आवेदन में मन्त्रालय उत्पादनों के प्रयोग पर सम्भव, पर केन्द्रीय सरकार द्वारा, उत्पादक को देती है एन्युमिनियम घोषित, तार के स्वियों, तार छड़ी और बिलेटो के लिए सर्वेव कीमत के काम में नियत विक्रय कीमत में से एन्युमिनियम की मत नमकरण रकम की कटौती करने के पश्चात् आए।

सार्टेकरण.—इस प्रधिसूचना में, “एन्युमिनियम कीमत समकरण रकम” और “उत्पादक” पदों के थही पर्याप्त होते, जो एन्युमिनियम (नियवण) घोषणा, 1970 में हैं।

[का० सं 349/1/82 टी० शा० श०]

आर० के० चहर्ती, उत्तर सालिय

No. 273/82-Central Excises

G.S.R. 698(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No 61/80-Central Excises, dated the 28th May, 1980, the Central Government hereby exempts aluminium ingots, wire rods, wire bars and billets, manufactured by any producer from hot aluminium metal, falling under Item No. 27 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and required by the Central Government to be sold or supplied in terms of the provisions contained in the Aluminium (Control) Order, 1970, as in force for the time being, read with the notifications issued thereunder, from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Act, as is in excess of the duty of excise leviable thereon under the said Act calculated on the basis of the value arrived at after deducting the aluminium price equalisation amount from the sale price fixed by the Central Government from time to time in terms of the provisions contained in the aforesaid Order, as the price payable for such aluminium ingots, wire rods, wire bars, and billets to the producer thereof.

Explanation:—In this notification, the expressions “aluminium price equalisation amount” and “producer” shall have the same meanings as are assigned to them in the Aluminium (Control) Order, 1970.

[F.No. 349/1/82-TRU]

R.K. CHAKRABARTI, Dy. Secy.

सं 274/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सं 20 का० शि 699(अ) - केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, नियम 1944 के नियम 8 के उल्लेखन (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के विन मन्त्रालय (राजस्व विभाग) की मध्यसूचना सं 55/78 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1978 को घोषित करते हुए इसमें उपावश्यक सारणी के स्तर (2) में विनियिष्ट वर्षान के और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमृत ग्राहितीम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुभूति की मद सं 18 को उल्लेख II(i)(अ) के मध्यसूचना यात्रे काले द्रव्यमानीकृत सूत को, उक्त पहली अनुभूति में विनियिष्ट दर पर उक्त मध्यसूचना के अधीन उस पर उद्योगीय उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जिनमा उक्त सारणी के स्तर (3) में की तत्स्वानी प्रविष्टि में विनियिष्ट दर से समर्पित रकम में ग्रहित है।

सारणी

श्रम	वर्षान	दर
सं		
(1)	(2)	(3)
1. मूल सूत से उत्पादित ईस्टर्स्टरीकृत सूत मूल सूत पर उक्त मध्यसूचना के अधीन तत्समय उद्योगीय शुल्क, यदि उत्पादक पहली तीसरी काले संदाय नहीं करदिया गया है, उस पांच रुपए प्रति किलो ग्राम।		

2. मूल ईस्टर्स्टरीकृत सूत —

(क) पालिंग्स्टर (नाफ्लोन) ईस्टर्स्टरी

कृत सूत—

(1) 38.5 डेनियर से कम	63.80 रु प्रति किलोग्राम
(2) 38.5 डेनियर और उससे अधिक किल्टु 88 डेनियर से कम	56.80 रु प्रति किलोग्राम
(3) 88 डेनियर और उससे अधिक किल्टु 121.21 डेनियर से कम	49.80 रु प्रति किलोग्राम
(4) 121.21 डेनियर और उससे अधिक किल्टु 165 डेनियर से कम	42.80 रु प्रति किलोग्राम
(5) 165 डेनियर और उससे अधिक	34.60 रु प्रति किलोग्राम
(ष) पालिंग्स्टर ईस्टर्स्टरीकृत सूत—	
(1) 33 डेनियर से कम	82.00 रु प्रति किलोग्राम
(2) 33 डेनियर और उससे अधिक किल्टु 82.5 डेनियर से कम	75.00 रु प्रति किलोग्राम
(3) 82.5 डेनियर और उससे अधिक किल्टु 110 डेनियर से कम	69.00 रु प्रति किलोग्राम

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
(4) 110 डेनियर और उपर्ये 54.00 रु. प्रति किलोग्राम			(ii) 38.5 deniers	Rs. 56.80 per kilogram	
प्रधिक			above but below		
(ग) अन्य 90.00 रु. प्रति किलोग्राम			88 deniers		
स्पष्टीकरण—इस प्रधिसूचना में—			(iii) 88 deniers and 121 deniers	Rs. 49.80 per kilogram	
(क) "मूल सूत" में उक्त पहले अनुसूची को मद सं 18 की उपमद 2(i)(क) के अन्तर्गत आने वाला वह सूत अधिकृत है जिसमें टैक्स्वरीकृत सूत तैयार किया गया है			(iv) 121 deniers and 165 deniers	Rs. 42.80 per kilogram	
(ख) नम सं 2 में टैक्स्वरीकृत सूत का डेनियर नीचे विनिर्दिष्ट रेति में अवधारित किया जाएगा, प्रधित—			(v) 165 deniers and 121 deniers	Rs. 24.60 per kilogram	
(1) एक बेट्टन रेल का उपयोग करके तथा यह सुनिश्चित करने हुए कि उपिन को हटाने न कि सूत कैलाने के लिए रोल में लगेने समय बिचार ठोक ठोक और बरबार रहे, 90 मीटर सूत नाप कर प्रत्यक्ष कर दिया जाएगा,			(b) Polyester textured yarn—		
(2) तत्स्थान् 90 मीटर सूत को एक यार्डमापी तुला पर तोल दिया जाएगा और भार गामी में नोट किया जाएगा,			(i) below 33 deniers	Rs. 82.00 per kilogram	
(3) तत्स्थान् ऐसे सूत का डेनियर व्याप्त (ii) के अधीन नोट किए गए भार को 100 से गुणा करके परिकलिन दिया जाएगा,			(ii) 33 deniers and 82.5 deniers	Rs. 75.00 per kilogram	
(4) प्लाई किए हुए टैक्स्वरीकृत सूत की बाजार में व्याप्त (3) के अधीन परिकलिन किए गए डेनियर को उस सूत में की ज्वाई की संख्या में भाग दिया जाएगा जिससे कि एकल ज्वाई सूत का डेनियर परिकलिन दिया जा सके।			(iii) 82.5 deniers and 110 deniers	Rs. 68.00 per kilogram	
[फा० सं 249/18/82-टी आर यू]			(iv) 110 deniers and 165 deniers	Rs. 54.00 per kilogram	
			(c) Others	Rs. 90.00 per kilogram	

Explanation:—In this notifications—

(a) "base yarn" means yarn falling under sub-item II(i)(a) of Item No. 18 of the said First Schedule, from which textured yarn has been produced;

(b) the denier of textured yarn in Serial No. 2 shall be determined in the manner specified below, namely:—

- (i) 90 metres of yarn shall be measured off using a wrap reel ensuring just sufficient tension during reeling to remove the crimp but not to stretch the yarn;
- (ii) The said 90 metres of yarn shall then be weighed on a precision balance and the weight in grams noted;
- (iii) The denier of such yarn shall thereafter be calculated by multiplying the weight noted under clause (ii) by 100;
- (iv) In the case of plied textured yarn, the denier so calculated under clause (iii) shall be divided by the number of plies contained in such yarn so as to arrive at the denier of single ply yarn.

[F.No. 349/1/18/82—TRU]

सं 275/82 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सां का नि० 700 (प्र) — केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के तिमाह 8 के उत्तिम (1) द्वारा प्रदत्त यक्षियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के गजाव और बैंकिंग विभाग की प्रधिसूचना सं 131/77 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, नारोल 18 अन् 1977 को अधिकाल करते हुए केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची को कमातः मद सं 18 की उपमद III (i) और सं 18 के (i) के अन्तर्गत आने वाले और इससे उपायद सारणी के सम्बन्ध (2) में विनिर्दिष्ट वर्णन के संलग्नी सूत की प्रधिसूचना के सूत और कपास के सूत को, उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट दर पर उक्त प्रधिनियम के अधीन उत्तर पर उद्घाटित उत्तर उत्पाद-शुल्क

Sl. No.	Description	Rate
(1)	(2)	(3)
1. Textured yarn produced out of base yarn.	The duty of excise for the time being leviable under the said Act on the base yarn if not already paid <i>plus</i> five rupees per kilogram.	
2. Other textured yarn—		
(a) Polyamide (nylon) textured yarn—		
(i) below 38.5 deniers	Rs. 63.80 per kilogram	

में छूट देती है जिसना उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्पारी प्रदिव्यिति में विनिर्दिष्ट दर से संतुष्टि रखने से योग्य है।

सारणी

क्रम सं०	वर्जन	दर (पर किलोग्राम)
(1)	(2)	(3)

1. सारा भीड़ी गोड़न गुणित्यों गत्यमें सेन्टुलासी कता सूत और कपास का सूत जोड़ देता है या बहु कॉल्ड	गत्यमें
2. काल रील गुणित्यों में सेन्टुलासी कता सूत और कपास का सूत जोड़ देता है या बहु कॉल्ड -	गत्यमें
(क) 20 से प्रथिक काउन्ट का ,	गत्यमें
(ख) 20 से प्रथिक किलो 25 से प्रथिक काउन्ट का ,	20 से प्रथिक पर 1.5 पैसे प्रति काउन्ट
(ग) 25 से प्रथिक किलो 35 से प्रथिक काउन्ट का ,	10 पैसे वर्त 25 से प्रथिक पर 4 पैसे प्रति काउन्ट ,
(घ) 35 से प्रथिक किलो 45 से प्रथिक काउन्ट का ,	50 पैसे वर्त 35 से प्रथिक पर 8 पैसे प्रति काउन्ट ,
(ङ) 45 से प्रथिक किलो 55 से प्रथिक काउन्ट का ,	130 पैसे वर्त 45 से प्रथिक पर 14 पैसे प्रति काउन्ट ,
(च) 55 से प्रथिक काउन्ट का	272.5 पैसे वर्त 55 से प्रथिक पर 5.5 पैसे प्रति काउन्ट ।

3. क्रम संम्बन्धी 1 और 2 से निर्धारित सेन्टुलासी कता सूत और कपास का सूत —

(क) 25 से प्रथिक काउन्ट का ,	1.5 पैसे प्रति काउन्ट ,
(ख) 25 से प्रथिक किलो 35 से प्रथिक काउन्ट का ,	40 पैसे वर्त 25 पर 4 पैसे प्रति काउन्ट ,
(ग) 35 से प्रथिक किलो 45 से प्रथिक काउन्ट का ,	95 पैसे वर्त 35 से प्रथिक पर 9 पैसे प्रति काउन्ट ,
(घ) 45 से प्रथिक किलो 55 से प्रथिक काउन्ट का ,	175 पैसे वर्त 45 पर 15 पैसे प्रति काउन्ट ,
(च) 55 से प्रथिक काउन्ट का	15 पैसे प्रति काउन्ट ;

परन्तु ---

(i) उक्त सारणी के क्रम सं० 2 से निर्धारित सूत की दशा में छूट देने के प्रयत्न रुदौड़ी पर लगा जाता है तो वर्त 30 दस्तकरता के विकल्प के लिए सरकार द्वारा नियमित दर 1.5 पैसे प्रति वर्त देता है तथा उक्त दस्तकरता लकड़ी गोपालकर्णी या तिसी गाड़न या कप दिया जाता है और ऐसे सूत के लिए सदाय ऐसे सहज गोपालकर्णी या सतहन द्वारा प्रयोग की जाती पर विकल्प याएँ बीज द्वारा दिया जाता है।

(ii) ऐसे सूत की दशा में जिस पर गुणित्यों के रूप में छूट की उपस्थित छूट का जाप उठा लिया गया है और जो तत्पात्रास किंतु की लकड़ी गोपालकर्णी से बीजिंग, बारिंग, बैंगिंग, बाइंगिंग या रीलिंग की प्रक्रियाओं में ने अधिक उनमें से किसी एक या प्रथिक प्रक्रियाओं में से गुणित्यों के लिए सहज दस्तकरता देता है तो उक्त अधिनियम के अन्तर्गत उक्त दस्तकरता की दर का लिया गया है।

स्तम्भ (3) में क्रम सं० 3 के गामने उन सूत को बावजूद विनिर्दिष्ट दर से संतुष्टि रखने होती जिसमें उक्त अधिनियम के अधीन पहले ही संदर्भ उत्तराधिकार, प्रदेश की भी, घटा दिया जाता ;

(iii) उक्त अधिनियम के अधीन किसी ऐसे सूत पर कोई और शुल्क उद्योगीय नहीं होता जिस पर प्रदान गोपिताएँ के जैसे सूत पर उपलब्ध छूट या सामान उठा लिया गया है, तो वह बिकान्ह सूत में सपरिवर्तित करने के लिए उत्तराधिकारी को या कोई दूसरा गया है और तत्पात्रास साथ गुणित्यों में राश लिया गया है।

(iv) उक्त अधिनियम के प्रयोग द्वारा ऐसे सूत पर कोई और शुल्क उद्योगीय नहीं होता जिस पर शुल्क का उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में क्रम सं० 3 के विनिर्दिष्ट दर पर पड़ते ही बदाय कर दिया गया है तो उन ही ऐसे सूत तत्पात्रास, जिनकी लकड़ी गोपालकर्णी से या उसके बिना, बीजिंग, बारिंग, बैंगिंग, बाइंगिंग या रीलिंग की प्रक्रियाओं में से अधिक उनमें से किसी एक या प्रथिक प्रक्रियाओं में से गुणित्यों के लिया जाता है।

(v) यदि सारा (नींवी) रोल में किसी एकत्र सूत या बहु-कॉल्ड सूत की लकड़ी गोपालकर्णी द्वारा, जांच को महसूस के या उसके बिना, बिरंजन रखायी या सर्वरीकरण की प्रक्रियाओं में से गुणार्थी जाता है तो उक्त अधिनियम के प्रयोग द्वारा ऐसे सूत उत्तराधिकार नहीं होता।

(vi) माइक्रोफ्लू सूत पर शुल्क, माइक्रिंग के पूर्व उनके भार के प्रधार पर भारित किया जाएगा।

स्पष्टीकरण - इन विधिनियमों के प्रयोगवाली के लिए -

- "दस्तकरता प्रसाकरणमात्रा" (ऐसा विनियमीत अधियंत्र है जो शक्ति की लकड़ी गोपालकर्णी के कपान के सूत के दस्तकरता में अन्तर्वता लगता है) ।
- "काउन्ट" से इत्यरित लाइट अभिप्रेत है।
- जहां काउन्ट भिन्नताएँ हो जाती हैं तो उन एक समस्ता जापानी और यह दिये गए भिन्नताएँ से कम हैं तो उन से छोड़ दिया जाएगा।

[क्रम सं० 349/प/1/8/82-टी भार य] नियन्त्रण भवा, प्रयोग लिया,

No. 275/82-Central Excises

G.S.R. 700(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 131/77-Central Excise, dated the 18th June, 1977, the Central Government hereby exempts cellulosic spun yarn and cotton yarn, falling under sub-item III(i) of Item No. 18 and No. 18A(i), respectively, of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and of the description specified in column (2) of the table hereto annexed from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Act at the rate specified in the said First Schedule, as is in excess of the amount calculated at the rate specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Description	Rate (per kilogram)
(1)	(2)	(3)
1.	Cellulosic spun yarn and cotton yarn in plain	Nil

(1)	(2)	(3)
	(straight) reel hanks, whether single or multiple fold	
2.	Cellulosic spun yarn and cotton yarn in cross reel hanks, whether single or multiple fold—	
(a)	of counts not exceeding 20;	Nil
(b)	of counts exceeding 20 but not exceeding 25;	1.5 paise per count exceeding 20;
(c)	of counts exceeding 25 but not exceeding 35;	10 paise, <i>plus</i> 4 paise per count exceeding 25;
(d)	of counts exceeding 35 but not exceeding 45;	50 paise, <i>plus</i> 8 paise per count exceeding 35;
(e)	of counts exceeding 45 but not exceeding 55;	130 paise, <i>plus</i> 14 paise per count exceeding 45;
(f)	of counts exceeding 55;	272.5 paise, <i>plus</i> 5.5 paise per count exceeding 55.
3.	Cellulosic spun yarn and cotton yarn (other than those referred to in Serial Nos. 1 and 2)—	
(a)	of counts not exceeding 25;	1.5 paise per count;
(b)	of counts exceeding 25 but not exceeding 35;	40 paise, <i>plus</i> 4 paise per count exceeding 25;
(c)	of counts exceeding 35 but not exceeding 45;	85 paise, <i>plus</i> 9 paise per count exceeding 35;
(d)	of counts exceeding 45 but not exceeding 55;	175 paise, <i>plus</i> 15 paise per count exceeding 45;
(e)	of counts exceeding 55;	6 paise per count.

Provided that—

(i) in the case of yarn referred to in Sl. No. 2 the exemption shall apply subject to the condition that such yarn is

purchased by a registered handloom co-operative society or any organisation set up or approved by the Government for the development of handlooms, and payment for such yarn is made by cheque drawn by such co-operative society or organisation, as the case may be, on its own Bank Account;

(ii) in the case of yarn which has availed of the exemption available to yarn in hank form and is subsequently subjected to beaming, warping, wrapping, winding, or reeling or any one or more of these processes with the aid of power, the duty of excise payable on such yarn under the said Act shall be the amount calculated at the rate specified in respect of that yarn against Sl. No. 3 in column (3) of the said Table, reduced by the duty of excise under the said Act already paid, if any;

(iii) no further duty under the said Act shall be leviable on any yarn which has availed of the exemption available to yarn in plain hank form, when wound on cones on doubling machines for conversion into tow-fold yarn and then reeled into plain hanks;

(iv) no further duty under the said Act shall be leviable on any yarn on which duty has already been paid at a rate specified against Sl. No. 3 in column (3) of the said Table even if such yarn is subsequently subjected to beaming, warping, wrapping, winding or reeling or any one or more of these processes with or without the aid of power;

(v) if any single yarn or multiple fold yarn in plain (straight) reel is subsequently subjected to processes like bleaching, dyeing or mercerising by an independent processor or without the aid of power, no further duty under with the said Act shall be leviable;

(vi) the duty on sized yarn shall be charged on the basis of its weight before sizing.

Explanation:—For the purposes of this notification—

(i) “independent processor” means a manufacturer who is engaged exclusively in the processing of cotton yarn with the aid of power.

(ii) “count” means an English count.

(iii) where the count is in fraction, then if the fraction is one-half or more, it shall be treated as one, and if such fraction is less than onehalf, it shall be ignored.

[F.No. 349/1/18/82-TRU]

J.K. BATRA, Under Secy.